



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

6 वैशाख 1939 (श0)

(सं0 पटना 325) पटना, बुधवार, 26 अप्रील 2017

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद  
विद्यापति मार्ग, पटना-800001

अधिसूचना

26 अगस्त 2016

**सं0 1639—जमुई जिलान्तर्गत सिकन्दरा चौक पर माँ जगदम्बा स्थान मंदिर पर्षद के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं0-3265 है।**

इस न्यास में स्थानीय स्तर पर एक न्यास समिति कार्यरत थी, जो पर्षद से मान्यता प्राप्त नहीं थी, स्थानीय ग्रामीणों के आवेदन के आलोक में अंचल पदाधिकारी, सिकन्दरा से पर्षदीय पत्रांक-363, दिनांक 28/05/13 तथा स्मार-पत्र 2350, दिनांक 13/03/2014 जांचोपरांत एक प्रतिवेदन तथा समिति के मंत्री श्री सत्य नारायण मिश्र से आम सभा की बैठक तथा आय-व्यय की विवरणी की मांग की गयी। दिनांक 31/08/15 को श्री सत्य नारायण मिश्र बगैरह का एक आवेदन, आम सभा की बैठक की छायाप्रति तथा विवरणी के साथ नये न्यास समिति का गठन करने हेतु दिया गया। साथ ही अंचल पदाधिकारी, सिकन्दरा के पत्र सं0-499, दिनांक 14/08/15 द्वारा एक प्रतिवेदन प्राप्त हुआ, जिसमें स्पष्ट किया गया कि न्यास में वर्तमान में एक न्यास समिति कार्यरत है, जिसमें स्वयं सत्य नारायण मिश्र की सहमति भी प्राप्त है। अंचल पदाधिकारी के उक्त पत्र में प्रस्तावित व्यक्तियों का चरित्र सत्यापन भी स्थानीय थाना से कराया गया जो संचिका में उपलब्ध है, जिसमें किसी के विरुद्ध कोई शिकायत नहीं पाया गया।

अंचल पदाधिकारी, सिकन्दरा के अनुशंसा में संशोधन करते हुये पत्र तथा श्री सत्य नायायण मिश्रा बगैरह के पत्र दिनांक 31/08/15 के आलोक में इस न्यास की सुचारु प्रबंधन एवं सम्यक विकास हेतु बिहार राज्य धार्मिक न्यास अधिनियम की धारा-32 के अन्तर्गत एक योजना का निरूपण आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा-32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो धार्मिक न्यास की उप विधि सं0-43 (द) के तहत प्रशासक/अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए “**माँ जगदम्बा स्थान मंदिर, सिकन्दरा चौक, जमुई**” के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति गठित की जाती है।

योजना

1. अधिनियम की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “**माँ जगदम्बा स्थान मंदिर न्यास योजना, सिकन्दरा चौक, जमुई**” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “**माँ जगदम्बा स्थान मंदिर न्यास समिति, सिकन्दरा चौक, जमुई**” होगा, जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की संपत्ति की सुरक्षा, संरक्षण एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ, भक्तजन एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।

3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम से किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।

4. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगा।

5. न्यास समिति पर्षद अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास के आय-व्यय की विवरणी, अंकेक्षण प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि सम्यक रूप से पर्षद को प्रेषित करेगी।

6. अध्यक्ष की अनुमति से उपाध्यक्ष न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलायी जायेगी और अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष द्वारा बैठक आहूत की जायेगी। बैठक की सूचना सभी सदस्यों को पहले दी जायेगी। बैठक की कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी।

7. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के अनुमोदन के लिए भेजेगी।

8. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि "यदि कोई हो तो", उसकी वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।

9. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

10. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाये जायें या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी।

11. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए अंचल पदाधिकारी, सिकन्दरा द्वारा अनुशंसित निम्नलिखित सदस्यों को न्यास समिति गठित की जाती है:-

(1) अंचलाधिकारी, सिकन्दरा	—	पदेन अध्यक्ष।
(2) श्री बाबूलाल यादव, पिता— श्री विशूनदेव यादव, सिकन्दरा	—	उपाध्यक्ष
(3) श्री कृष्ण कुमार, पिता— श्री राम स्वरूपराय, सिकन्दरा	—	सचिव
(4) श्री ललन कुमार मिश्रा, पिता— श्री नंद किशारे मिश्रा, सिकन्दरा	—	कोषाध्यक्ष
(5) श्री प्रकाश कुमार सिन्हा, पिता— स्व० दिनेश प्र० सिन्हा, सिकन्दरा	—	सदस्य
(6) श्री राम विलास यादव, पिता— स्व० शीतल यादव, सिकन्दरा	—	"
(7) श्री सत्य नारायण मिश्र, पिता— स्व० दरोगी मिश्र, सिकन्दरा	—	"
(8) श्री रंजीत केशरी, पिता— स्व० सुकदेव केशरी, सिकन्दरा	—	"
(9) श्री लखन यादव, पिता— स्व० शोधन यादव, सिकन्दरा	—	"
(10) श्री अनिल चौधरी, पिता— स्व० शिव चौधरी, सिकन्दरा	—	"
पता— सभी ग्राम+पो०+थाना— सिकन्दरा, जिला— जमुई।		

12. इस न्यास समिति का कार्यकाल अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से 05 वर्षों का होगा। एक वर्ष के बाद न्यास समिति के कार्यों की समीक्षा की जायेगी और कार्य संतोषप्रद पाये जाने पर उनकी निरन्तरता कायम रहेगी।

विश्वासभाजन,  
संजय कुमार,  
प्रशासक।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 325-571+10-डी०टी०पी०।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>